रेख़्ता द्वारा तैयार किए गए उर्दू शायरी व कहानियों के ऑडियो अब ऑडिबल.इन एप्स पर उपलब्ध हैं

नई दिल्ली, अप्रैल 2021: उर्दू साहित्य की सब से बड़ी वेबसाइट rekhta.org के बाद रेख़्ता फ़ाउंडेशन ने लाखों उर्दू प्रेमियों के लिए साहित्यिक ऑडियो शो का आग़ाज़ किया है। ख़ूबसूरत उर्दू शायरी, कहानियों, किताबों और दिलचस्प क़िस्सों पर आधारित ये ऑडियो शो अब ऑडियो ऐप्स (ऑडिबल.इन और ऑडिबल सुनो) पर मुफ़्त उपलब्ध हैं।
उर्दू साहित्य के इस समृद्ध ज़ख़ीरे में नए-पुराने कलाकारों की आवाज़ में प्रमुख शायरों की जीवंत और बेमिसाल शायरी है। इसमें मंटो और मुंशी प्रेमचंद की कहानियाँ, मिर्ज़ा ग़ालिब, मीर तक़ी मीर, अल्लामा इक़बाल आदि जैसे मशहूर उर्दू शायरों के दुर्लभ काव्य-संग्रह, पतरस बुख़ारी और कई अन्य लेखकों के हास्य लेखन भी शामिल हैं। अब श्रोता अपनी पसंद की ग़ज़लों, नज़्मों और अन्य विधाओं में लिखे गए बेहतरीन उर्दू साहित्य का आनंद ले सकते हैं।

रेख़्ता फ़ाउंडेशन ने उर्दू शायरी व साहित्य को आधुनिक तकनीक के द्वारा जन-जन तक पहुँचाने के लिए कई कदम उठाए हैं। ऑडियो की अवधारणा को पुनर्जीवित करना इस दिशा में एक और महत्वपूर्ण क़दम है। अब उर्दू शायरी व साहित्य के श्रोता आसानी से अपनी पसंद की सामग्री तक पहुँच सकते हैं और सुन सकते हैं। रेख़्ता और ऑडिबल का साथ - बेहतरीन उर्दू शायरी, कहानियों और रोचक पुस्तकों को बस एक क्लिक भर की दूरी पर ले आया है।

ऑडिबल के साथ इस सहयोग के बारे में बात करते हुए, **रेख़्ता फ़ाउंडेशन के महाप्रबंधक धर्मेंद्र साहा** कहते हैं कि "रेख़्ता का ऑडिबल के साथ सहयोग इस बात का प्रमाण है कि हम श्रोताओं की बदलती जरूरतों का साथ देने के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कैसे कर रहे हैं। हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम उर्दू साहित्य और शायरी को लाखों लोगों के लिए सुलभ बनाने में सक्षम हो सके हैं। इस संग्रह को ऑडिबल पर लाना, न केवल ग्राहकों को इस सामग्री का नया अनुभव कराता है, बल्कि उन्हें विभिन्न शायरों, लेखकों और कथाकारों की जादूई दुनुया से परिचित भी कराता है। अब वे अपनी मर्ज़ी से कहीं भी, कभी भी उर्दू भाषा की समृद्ध सामग्री का आनंद ले सकते हैं।

ऑडिबल के कंट्री हेड शैलेश सवलानी का कहना है कि रेख़्ता फ़ाउंडेशन उन कुछ संगठनों में से एक है जो भारतीय भाषा और साहित्य के पुनर्जीवन और संरक्षण को जारी रखे हुए है। रेख़्ता ऑडियोबुकस के नए संस्करण हमारे ग्राहकों को उर्दू साहित्य का नया अनुभव प्रदान करेंगे। ऑडिबल पर हम हमेशा नई सामग्री साझा करने के तरीकों की तलाश में रहते हैं जो हमारे ग्राहकों को पसंद आए और मुझे यक़ीन है कि रेख़्ता के साथ यह एसोसिएशन हमें ऑडियो स्टोरीटेलिंग की शक्ति में एक नई राह दिखाएगा।

रेख़्ता फाउंडेशन के बारे में:

30 मई, 2012 को स्थापित एक अलाभकारी, ग़ैर सरकारी सामाजिक संस्था, रेख़्ता फाउंडेशन भारतीय उपमहाद्वीप की भाषाओं और साहित्य के संरक्षण और संवर्धन के लिए समर्पित है।

रेख़्ता कंटेंट रिपॉजिटरी (Rekhta.org, Hindvi.org, Sufinama.org) - क्रमशः उर्दू, हिंदी भाषा, साहित्य और सूफीवाद की सबसे बड़ी की रिपॉजिटरी हैं।

संरक्षण: रेख़्ता वर्चुअल लाइब्रेरी, पुराने हिंदुस्तानी साहित्य का डिजिटलीकरण और संरक्षण कर उन्हें सार्वजनिक डोमेन में प्रस्तुत करता है। रेख़्ता ई-बुक्स दुर्लभ और पुराने हिंदुस्तानी साहित्य का सबसे बड़ा संग्रह है।

शिक्षा (Rekhta Dictionary और Aamozish.com) यह उर्दू लिपि सीखने के लिए एक मुफ्त ई-लर्निंग मंच है जिसके द्वारा कोई भी, कभी भी, कहीं बैठ कर उर्दू लिपि सीख सकता है।

प्रकाशन: (रेख़्ता बुक्स) स्थापित और युवा कवियों की शायरी को प्रकाशित करने के लिए एक मंच है।

प्रचार एवं प्रसार: (रेख़्ता इवेंट्स) जश्न-ए-रेख़्ता, रंग-ए-रेख़्ता, शाम-ए-रेख़्ता और राब्ता के माध्यम से भाषा, साहित्य, कला और संस्कृति का जश्न मनाया जाता है

ऑडिबल के बारे में:

ऑडिबल, Amazon.Com, Inc. की सहायक कंपनी, प्रीमियम डिजिटल ऑडियो सामग्री के अग्रणी प्रदाता है जो ग्राहकों को हर दिन अपनी ज़िंदगी को उज्जवल बनाने और समृद्ध करने के लिए एक नया तरीक़ा पेश करती है। कंपनी की स्थापना 1995 में अमेरिका में हुई थी और इसके डिजिटल स्टोर फ्रंट में आज audible.co.uk, audible.de,

audible.fr, audible.com.au, audible.co.jp, audible.it, audible.ca औ

audible.in शामिल हैं।

<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<<END>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>

>